Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept. of Political science
V.S. J. College, Rajnagar, Madhubani (LNMU)

Class – B.A- 3 (H)
Paper – V

Ajanta
Page No.
Date

Topic – लोक प्रशासन का क्षेत्र
Lecture – 2

पोस्डकोर्ब दृष्टिकोण (POSDCORB View) –

लोक प्रशासन के कार्य-क्षेत्र के संबंध में लूथर गुलिक ने जिस मत को प्रतिपादित किया है उसे 'पोस्डकोर्ब' कहा जाता है। लूथर गुलिक से पहले उर्विक, हेनरी फेयोल इत्यादि विद्वानों ने भी पोस्डकोर्ब दृष्टिकोण अपनाया था, लेकिन इन विचारों को सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने का श्रेय गुलिक को ही जाता है। 'पोस्डकोर्ब' शब्द अंग्रेजी के सात शब्दों के प्रथम अक्षरों को मिलाकर बनाया गया है। वे शब्द इस प्रकार है–

P – Planning = योजना बनाना
O – Organising – संगठन बनाना
S – Staffing – कर्मचारियों की व्यवस्था करना
D – Directing – निर्देशन करना
CO – Co-Ordination – समन्वय करना
R – Reporting – रिपोर्ट देना
B – Budgeting – बजट तैयार करना

इन शब्दों का अर्थ इस प्रकार है–

योजना बनाना — इसमें कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है और निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नीतियों का निर्धारण किया जाता है।

Scanned with CamScanner

संगठन बनाना — इसके अन्तर्गत प्रशासकीय ढांचे को इस प्रकार संगठित किया जाता है कि प्रशासकीय कार्यों का विभाजन उचित ढंग से किया जा सके और विभाग में समन्वय किया जा सके।

कर्मचारियों की व्यवस्था करना — सम्पूर्ण कर्मचारी वर्ग की नियुक्ति प्रशिक्षण और उनके लिए कार्य करने की अनुकूल दशाओं का निर्माण करना।

निर्देशन करना — इसके अन्तर्गत वे निर्णय आते हैं जो निर्णायकों द्वारा कर्मचारियों के कार्यों के संबंध में लिए जाते हैं। ये निर्णय सामान्य आदेशों के रूप में सम्बन्धित इकाई के प्रशासकीय कर्मचारियों तक पहुंचाये जाते हैं।

समन्वय करना — कार्यों के विभिन्न भागों को परस्पर सम्बन्धित करना अथवा उनमें समन्वय स्थापित करना।

रिपोर्ट देना — इसका उद्देश्य वरिष्ठ तथा निम्न कर्मचारियों के कार्यों के सम्बन्ध में निरीक्षण अधिकारियों को सूचित रखना है। इसका उद्देश्य निरीक्षण के लिए अभिलेख तैयार करना भी है।

बजट तैयार करना — इसके अन्तर्गत हम वित्त व्यवस्था का संक्षिप्त अध्ययन

Scanned with CamScanner

करते हैं, विशेष रूप से इसका अध्ययन बजट तैयार करने के लिए।

प्रशासन का चाहे कोई भी क्षेत्र हो तथा कोई भी उद्देश्य हो ये प्रबन्ध सम्बन्धी सामान्य समस्याएं सब में एक जैसी और अनिवार्य होती हैं

पोल्डकॉर्ब विचार की आलोचना :—

पोल्डकॉर्ब सिद्धान्त के विरुद्ध यह कहा जाता है कि वह अधिक स्वेच्छाचारी तथा काल्पनिक है और जिसके अन्तर्गत प्रशासन के वास्तविक तत्व को छोड़ दिया गया है। पोल्डकॉर्ब दृष्टि में नीति-निर्माण, मूल्यांकन और लोक सम्पर्क जैसे महत्वपूर्ण कार्य समाविष्ट नहीं हैं। इसमें लोक-प्रशासन से सम्बद्ध एक महत्वपूर्ण तत्व की उपेक्षा की गयी है। वह तत्व है — पाठ्य-विषय का ज्ञान। इस आलोचना के प्रमुख प्रतिपादक सैविल मरियम हैं। उनके अनुसार "किसी भी प्रशासकीय अभिकरण के प्रभावशाली एवं प्रशावान प्रशासन के लिए उससे सम्बन्धित पाठ्य-विषय का ज्ञान प्राप्त कर लेना नितान्त अनिवार्य है" पोल्डकॉर्ब दृष्टिकोण केवल प्रशासन की तकनीकी से सम्बन्धित है, उसके पाठ्य-विषय से नहीं।

लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण :— लोक प्रशासन के क्षेत्र से सम्बंधित

एक अन्य दृष्टिकोण लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण है

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

इस दृष्टिकोण के अनुसार वर्तमान समय में राज्य लोककल्याणकारी है, अतः लोकप्रशासन भी लोककल्याणकारी है। दोनो का एक ही लक्ष्य है — जनहित। प्रशासन का मतलब जनता की सेवा करना है।

Khushbu Kumari
29th July 2020